



न्यायालय श्रीमान विराज व मंडल महोदय जजलियर ₹ 50 प्रो

R 3380 - PB 2/16

पुनरीक्षण याचिका क्रमांक :--

प्रस्तुति दिनांक :---

आवेदिका :-- § 1 § श्रीमति सुगना बाई पत्नि जगदीश जाट

§ 2 § श्रीमति संतोषी बाई पत्नि लक्ष्मीनारायण जाट

दोनों निवासी ग्राम भुन्नास तहो हरदा जिला हरदा

श्रीलं दीप डुवे

अभिभाषण द्वारा
कैवलीनारायण (अधीन)

अधीन

विरुद्ध

उत्तरवदीगण :-- 1- धमेन्द्र आठ हरीप्रसाद जी धोबी

निवासी बाघपास रोड खेडी महमूदाबाद गौर कालोनी

हरदा तहो एवं जिला हरदा

§ 2 § शिवनारायण आठ राधेलाल धोबी

निवासी ग्राम भुन्नास वर्तमान निवासी अशोक वर्मा

परदेशी पुरा लालगढी मकान नं० 105 महाकाली जी के

मंदिर के सामने इंदौर ₹ 50 प्रो

पुनरीक्षण याचिका ओरसे आवेदक/अपीलाधीन अंतर्गत धारा 50 प्रो प्रो

रटो सं०

उपरोक्त आवेदकगण/अपीलाधीनगण न्यायालय

श्रीमान तहसीलार महोदय हरदा द्वारा राजस्वप्रकरण क्रमांक 683/6 तथा

20 15-15 ग्राम भुन्नास मे पारित आदेश दिनांक 30-8-16 की

अनियमितता एवं अवैधानिकता से भुब्ध होकर निम्न तथ्यों एवं आधारों

पर यह याचिका प्रस्तुत करते हैं :--

प्रकरण के तथ्य

अधीन

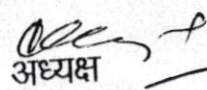
सुगनाबाई कारिस्थान

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निगरानी 3386 -पीबीआर/16

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

(सुगनाबाई/धर्मद)
जिला हरदा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमाषकों आदि के हस्ताक्षर
27-9-2016	<p>आवेदकगण के विद्वान अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। तहसीलदार के आदेश दिनांक 30-8-16 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया। तहसीलदार द्वारा निकाला गया निष्कर्ष प्रथमदृष्टया विधिसंगत है कि पूर्व में आवेदकगण द्वारा व्यवहार प्रकिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और प्रकरण अंतिम तर्क हेतु नियत था। इसके बावजूद भी आवेदकगण की ओर से संहिता की धारा 32 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, इससे ऐसा परिलक्षित होता है कि आवेदकगण अनाश्यक रूप से प्रकरण को लंबित रखना चाहते हैं। अतः उपरोक्त निष्कर्ष के परिप्रेक्ष्य में तहसीलदार द्वारा आवेदकगण का आवेदन पत्र निरस्त करने में विधिसंगत कार्यवाही की गई है। फलस्वरूप यह निगरानी आधारहीन होने अग्राह्य की जाती है।</p>	<p> अध्यक्ष</p>

